2327 BIHAR 2245 200 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

२००रु. Rs 200

भारत

दो सौ रुपया TWO HUNDRED RUPEES

A(i) 140.00
N(4) 4.00
144.00
..... 50
94
1/44
145/44

Mutated 5/5/75
C.O. Town Anchal Ranchi

१ लेख्यकारी का नाम :- श्री परमेश्वर प्रसाद सुपुत्र स्वर्गीय श्री जगन्नाथ प्रसाद जाति हिन्दू व्यवसाय कृषि निवास स्थान ग्राम लहना थाना सिमरी जिला शाहाबाद वर्तमान निवासस्थान नगर राँची रातु रोड थाना जिला राँची ।

२ लेख्यधारी का नाम :- श्री जितेन्द्र नाथ गौड़ सुपुत्र श्री चन्द्र नारायण गौड़ कायस्थ जाति हिन्दू व्यवसाय कृषि निवास स्थान संख्या 3।11 विवेकानन्द रोड दुर्गापुर ।

3 लेख्य प्रकार :- विक्रय पत्र ।

४ मूल्य :- केवल 11000) ग्यारह हजार रुपया मूल्य तथा मालगुजारी प्रति वर्ष केवल 0-25 पैसे ।

--2

न: १६२४ ता: ८.२.६२

गैर न्यायिक मुद्रांक रु: २००/ का क्रेता जितेन्द्र नाथ को रु९ ५०/ २०/ ४/ का राशि कोषागार से आपूर्ति की गई।

कोषा. कोषागार

पानेश्वर प्रसाद
८-२-९२

दि॰ ८.२.९२

प्रमिला प्रसाद

जगन्नाथ प्रसाद

हाल मो. राँची लाल पेड़
हिन्दू

जिला प्रवर निबंधक
राँची (बिहार)

९.२.९२

रामेश्वर प्रसाद

...रु

...रु

जिला प्रवर निबंधक
राँची

लेख्यकारी को मो: ११०००
(ग्यारह हजार रुपया मात्र)

९.२.९२

रु ३१३ ४/३/... सही पानेश्वर प्रसाद दाखिल... आवेदक ११०००/ इस्टाम्प... पाने का इकरार किया सही पानेश्वर प्रसाद
८-२-९२

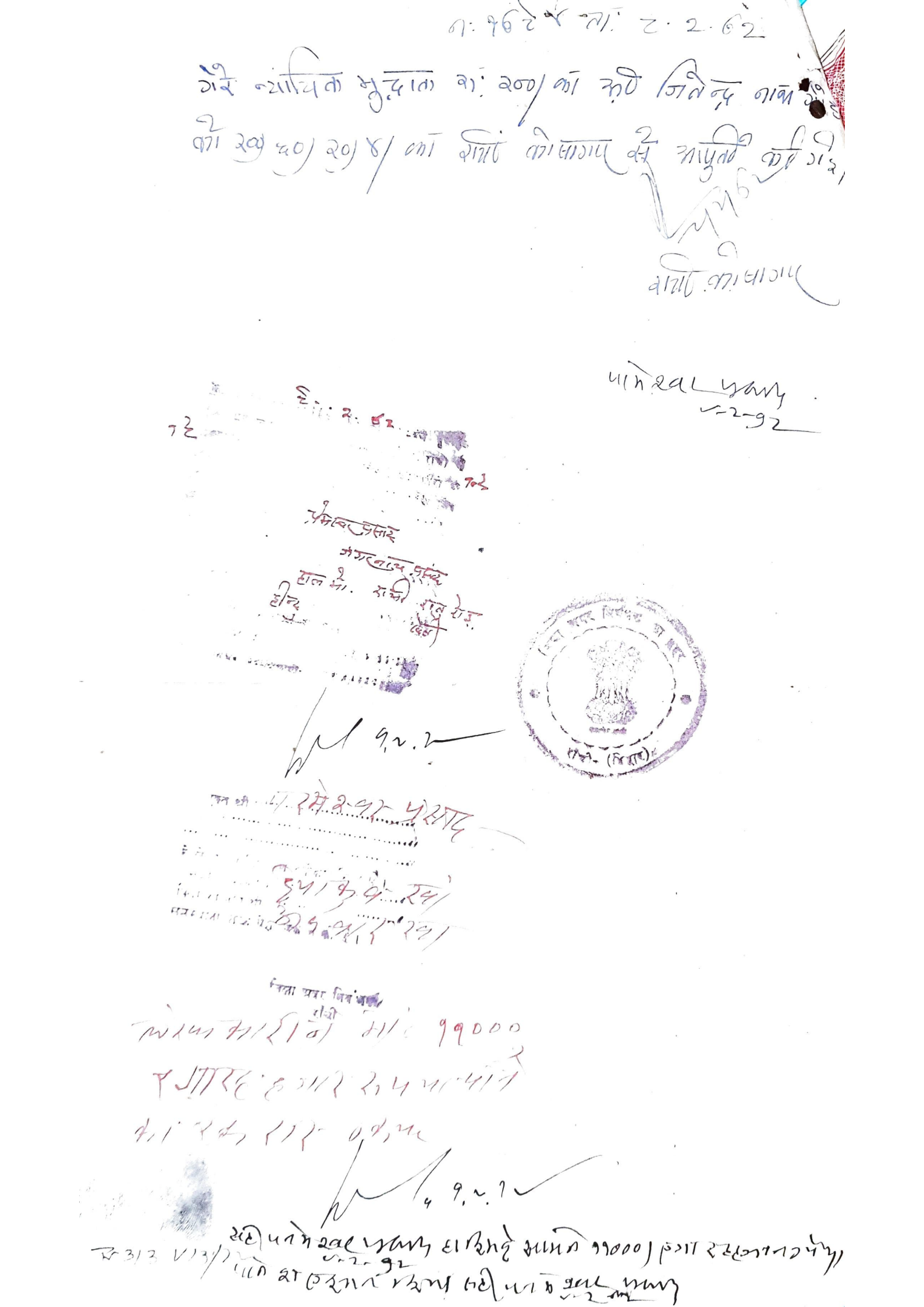

BIHAR 200 Rs.

५ जमींदार :- सि०ओ० रांची ।

६ विवरण भूमि :- रवाजी ०-१४-$\frac{3}{4}$ डी० पौने पन्दरह डीसमील भूमि स्वत्व कायमी रैयती खरीदगी दखली लेख्यकारी की है जिस पर लेख्यकारी का निर्विवाद और निर्विघ्न दखल कबजा है उस भूमि की स्थिति स्थान ग्राम पोरहावादी थाना जिला रांची थाना १६२ खेवट नं० २ खाता नं० १०३ सर्वे पलौट नं० १०५३ नये सब पलौट नं० १०५३। बी। २ क्षेत्रफल ०-१४-$\frac{3}{4}$ डी० भूमि नक्से के अनुसार जो इसके साथ संलग्न है जो नीले रंग से रंग कर दिखलाई गई और चिन्ह १०५३। बी। २ लिख कर अंकित की गई है जो पुरब की ओर ३६ फीट ३ इंच पछिम तरफ ४४ फीट ३ इंच तथा उत्तर की ओर १५५ फीट दखिन तरफ १६० फीट है इस भूमि की चतु: सिमा निम्न प्रकार है इस भूमि को लेख्यकारी ने विक्रय पत्र द्वारा जिसकी तारीख १२-७-१९७१ ई० जिसकी पुस्तक संख्या १ भीलूम ७७ पृष्ट संख्या ९७-१०३ निबंध संख्या ६१३१ वर्ष १९७१ रांची सब रजिस्ट्री ऑफिस है श्री सैयद अली अब्बास से खरीद कर दखलकार चले आते हैं जिसका जिला और सब रजिस्ट्री ऑफिस रांची पड़ता है ।

उत्तर- सब पलौट नं० १०५३। बी। १

दखिन- सब पलौट नं० १०५३ सी

पुरब- पथ

पच्छिम - पथ

संदर्भ

ऊपर लिखे पलौट की नाप की भूमि लेख्यकारी की है जिस पर

---३

नं: १६६४ ता: ८-२-६२ के साथ आपूर्ति की गई।

सहा० कोषागार

क्र० ३१५ ८/३/६२

मो० याकुब खां
ता ९-२-६२

ह०/-

BIHAR

60Rs.

साठ रुपया

६०रु. भारत INDIA 60RS.

SIXTY RUPEES

लेख्यकारी दखलकार चले आते हैं लेख्यकारी अपना अति आवश्यक कार्यवस लेख्यधारी महोदय से ११०००) एगारह हजार रुपैया मूल्य जो समयानुसार उचित यथेष्ट और यथार्थ मूल्य है लेकर उपर लिखे पलौट नं०१०५३ मधे सब पलौट नं० १०५३।की।२ क्षेत्रफल ०-१४-$\frac{3}{4}$ डी० भूमि लेख्यधारी महोदय के हाथ हस्तान्तरीत कर दिया और लेख्यधारी महोदय को उक्त नाप की भूमि पर अपने स्थान में दखलकार कर दिया। लेख्यधारी महोदय और उनके उतराधिकारी स्थानापन्न इस भूमि पर लेख्यकारी के स्थान में दखलकार होकर और रह कर अपनी इच्छा अनुसार भवन अट्टालिका कूप निर्माण करावें वाटिका लगावे और भवन इत्यादि निर्माण कर उसमें स्वयं अपने वास करें या किराया पर लगावें किंवा अपनी इच्छा अनुसार इसे विक्रय पत्र दान पत्र मकफुल इत्यादि करें। आज के दिन से इस भूमि में लेख्यकारी और लेख्यकारी के उतराधिकारी स्थानापन्नों को कोई अधिकार किंवा स्वत्व कुछ भी शेष नहीं रहा और न रहेगा। जिस प्रकार का स्वत्व और अधिकार इस भूमि पर लेख्यकारी का है अथवा था किंवा होता सो सब स्वत्व और अधिकार जस का तस लेख्यकारी से विलग होकर उपरोक्त लेख्यधारी महोदय और उनके उतराधिकारी स्थानापन्नों को प्राप्त हुआ और प्राप्त होगा। अब लेख्यधारी महोदय इस भूमि के लिये जमिंदार से और रांची नगर पालिका से अपना नाम लेख्यकारी के नाम के स्थान में नामांकित करवा लेवे वो मालगुजारी

नं: १६२४ ता: ८.२.६२ को राज्य कोषागार से आपूर्ति की गई।

राज्य कोषागार

२/३/६

५/-

BIHAR 20Rs.

बीस रुपया

२०रू. भारत INDIA 20Rs.

TWENTY RUPEES

और नगर पालिका टैक्स अपने नाम से देकर रसीद
खास अपने नाम से ले लिया करें। लेख्यकारी ने लेख्यधारी
महोदय को यह भी विश्वास और ज्ञान कराया है और विश्वास
दिलाया है कि इस भूमि पर आज तक किसी प्रकार का
ऋण भार या इससे पहले का विक्रय इत्यादि किया हुआ
लेख्यकारी का नहीं है भूमि सब प्रकार से निर्विवाद परम
शुद्ध और पवित्र है। लेख्यकारी के स्वत्व में भी किसी प्रकार
का दोष अथवा त्रुटी नहीं है। स्वत्व दोष के कारण
यदि इस विक्रय पत्र में कुछ भी खराबी पहुँचे वो पाया
जाय तो वैसे हालत में लेख्यकारी और लेख्यकारी के
उत्तराधिकारी स्थानापन्न देनदार सम्पूर्ण मूल का रुपैया

न: ४७६४ ता: ८.२.६२ को कोषागार से [illegible] की गई।

[illegible] कोषागार

[illegible]

जिला वन निर्धारक [illegible]
[illegible]

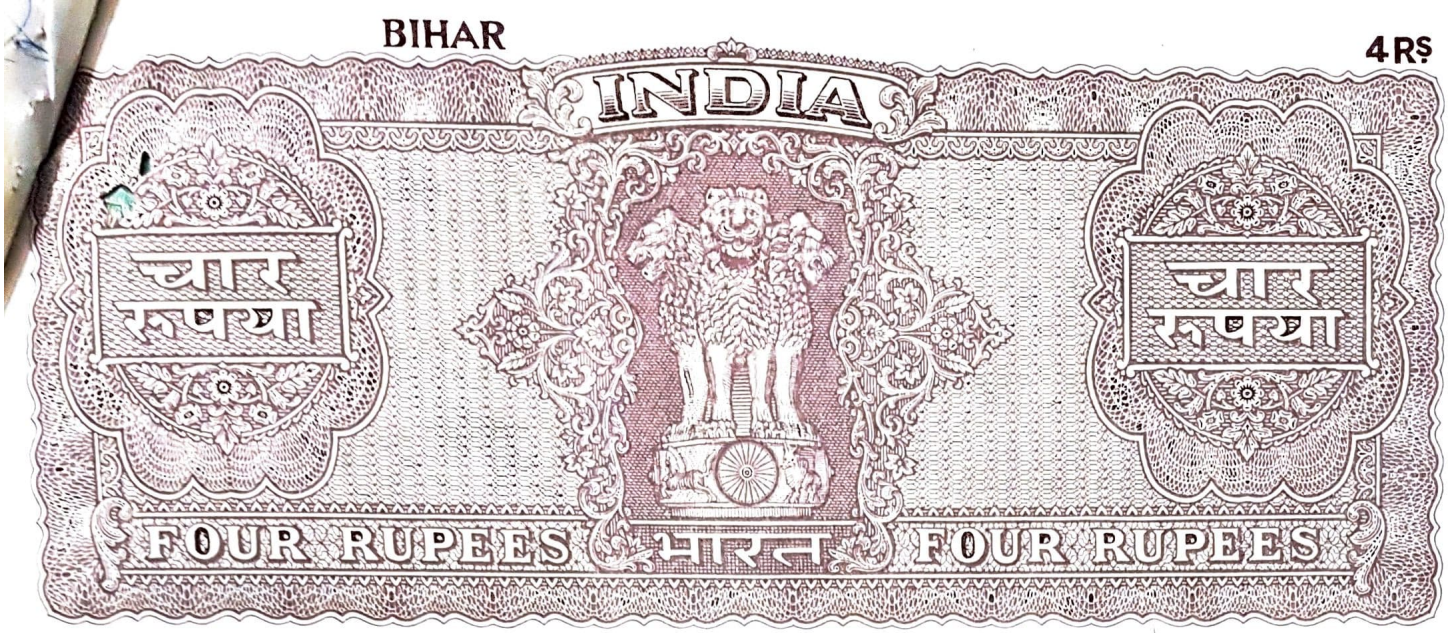

BIHAR

4 Rs.

INDIA

चार रुपया

FOUR RUPEES भारत FOUR RUPEES

और हर्जा खर्चा इत्यादि के देनदार हैं वो होंगे वो देंगे अत: यह थोड़े से शब्दों में विक्रय पत्र लिख दिया के प्रमाण रहे और आवश्यक समय पर काम आवे आज तारीख ६-२-१९७२ ई० स्थान रांची ।

टंकक

बसन्त प्रसाद

तिथि ६-२-७२ ।

न: १६६४ ता: ८-२-६२ के साथ राज्य कोष
से आपूर्ति की गई।

BIHAR 20Rs.

8-2-92

संख्या ४३६५१

तारीख ९.२.६२

स्थान रांची

कुल जोड़ ४४

कोरा स्टाम्प २० २० ४

रांची

हस्ताक्षर

जिला अवर निबंधक का मुहर

रांची (बिहार)

BIHAR 20Rs.

8-2-92

४२६१

१५-२-६२

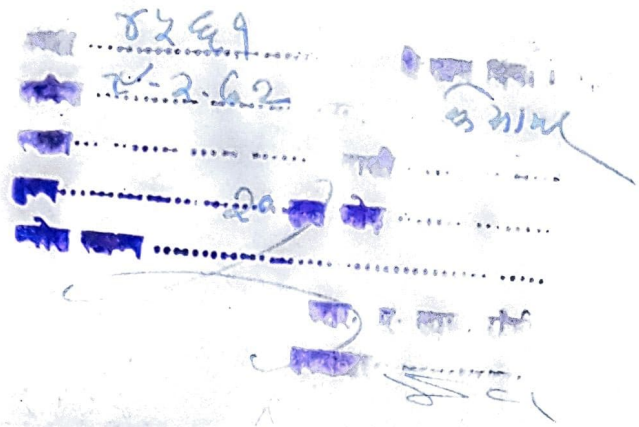

BIHAR

INDIA

4 RS

चार रुपया

चार रुपया

FOUR RUPEES भारत FOUR RUPEES

[illegible]

8-2-92

४२४१

8-2-62

24-7-72

VILLAGE- MORHABADI
THANA - RANCHI
THANA No:- 192
DISTRICT- RANCHI
Scale 6A" = 1 mile

PURCHASED PART OF PLOT No 1053 MARKED

1053/B·2 PURCHASED AREA SHOWN IN BLUE WASH

AREA 0-14 3/4 ACRES

Traced by
K.P. Singh

Regd. No. 2245
Book No. I
Vol No. 31
Pages 172-182
Year 1972
Ranchi

24-7-72

24-7-72